



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1983]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अक्तूबर 4, 2012/आश्विन 12, 1934

No. 1983]

NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 4, 2012/ASVINA 12, 1934

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 अक्तूबर, 2012

आयकर

का.आ. 2365(अ).—केंद्रीय सरकार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 153क और धारा 153ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयकर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आयकर (चौदहवाँ संशोधन) नियम, 2012 है।

(ii) ये 1 जुलाई, 2012 से प्रवृत्त होंगे।

2. आयकर नियम, 1962 में, नियम 112ड के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“ऐसे मामलों के वर्ग या वर्गों को, जिनमें निर्धारण अधिकारी से निर्धारण वर्ष के ठीक पूर्व के छह निर्धारण वर्षों की कुल आय का निर्धारण या पुनःनिर्धारण के लिए सूचना जारी करने की अपेक्षा नहीं होगी।

112च. ऐसे मामलों के वर्ग या वर्गों को, जिनमें निर्धारण अधिकारी से, उस पूर्व वर्ष से, जिसमें तलाशी की जाती है या अध्यपेक्षा की जाती है सुसंगत निर्धारण वर्ष से ठीक पूर्व छह निर्धारण वर्षों के लिए कुल आय के निर्धारण या पुनःनिर्धारण के लिए सूचना जारी करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी, ऐसे मामले होंगे—

(i) जहां अधिनियम की धारा 132 की उपधारा (1) के अधीन तलाशी के परिणामस्वरूप या अधिनियम की धारा 132क के अधीन की गई अध्यपेक्षा में, किसी व्यक्ति के कब्जे में कोई धन, बुलियन, आभूषण या अन्य मूल्यवान वस्तुएं या चीज पाई जाती है, चाहे वह ऐसे धन, बुलियन, आभूषण आदि का भौतिक स्वामी हो या न हो ; और

(ii) जहां किसी सभा या संसदीय निर्वाचन-क्षेत्र के प्रादेशिक क्षेत्र जिसकी बाबत लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 56 के साथ पठित धारा 30 के अधीन अधिसूचना जारी की गई है, में तलाशी की जाती है या ऐसी अध्यपेक्षा की जाती है या जहां इस प्रकार अभिगृहीत या अध्यपेक्षित आस्तियां किसी भी रीति में किसी सभा या संसदीय निर्वाचन-क्षेत्र में चल रहे निर्वाचन से संबंधित है :

परंतु यह नियम उन मामलों को लागू नहीं होगा जहां धारा 132 के अधीन ऐसी तलाशी या धारा 132क के अधीन ऐसी अध्यपेक्षा, इस प्रकार अधिसूचित मतदान के घंटों के पश्चात् की गई हो :

परंतु यह और कि यह नियम उन मामलों को लागू नहीं होगा जहां धारा 153क के दूसरे परंतुक के अधीन किसी निर्धारण या पुनर्निर्धारण का उपशमन किया गया है और जहां किसी निर्धारण या पुनर्निर्धारण का धारा 153ग के अधीन उपशमन किया गया है”।

[अधिसूचना सं. 42/2012/फा. सं. 282/22/2012-आईटी (आईएनवी. V)]

अमरेश सिंह, निदेशक (आईएनवी. V)

**टिप्पण :** मूल नियम, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (ii) में सं. का.आ. 969(अ), तारीख 26 मार्च, 1962 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और अधिसूचना सं. का.आ. 2261(अ) तारीख 20-9-2012 द्वारा अंतिम बार आयकर (तेरहवाँ संशोधन) नियम, 2012 द्वारा संशोधित किए गए ।

**MINISTRY OF FINANCE**  
(Department of Revenue)  
(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 4th October, 2012

**Income-Tax**

**S.O. 2365(E).**—In exercise of the powers conferred by sections 153A and 153C of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Act), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely :—

1. (i) These rules may be called the Income-tax (14th Amendment) Rules, 2012.  
(ii) They shall come into force from the 1<sup>st</sup> day of July, 2012.
2. In the Income-tax Rules, 1962, after rule 112E, the following rule shall be inserted, namely:—

“Class or Classes of cases in which the Assessing Officer shall not be required to issue notice for assessment or reassessment of the total income for six assessment years immediately preceding the assessment year.

112F. The class or classes of cases in which the Assessing Officer shall not be required to issue notice for assessing or reassessing the total income for six assessment years immediately preceding the assessment year relevant to the previous year in which search is conducted or requisition is made, shall be the cases-

- (i) where, as a result of a search under sub-section(1) of section 132 of the Act or a requisition made under section 132A of the Act, a person is found to be in possession of any money, bullion, jewellery or other valuable articles or things, whether or not he is the actual owner of such money, bullion, jewellery etc.; and
- (ii) where, such search is conducted or such requisition is made in the territorial area of an assembly or parliamentary constituency in respect of which a notification has been issued under section 30 read with section 56 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951), or where the assets so seized or requisitioned are connected in any manner to the ongoing election in an assembly or parliamentary constituency.

Provided that this rule shall not be applicable to cases where such search under section 132 or such requisition under section 132A has taken place after the hours of poll so notified;

Provided further that this rule shall not be applicable to cases where any assessment or reassessment has abated under the second proviso to section 153A and where any assessment or reassessment has abated under section 153C”.

[Notification No. 42/2012/F. No. 282/22/2012-IT (Inv. V)]

AMARESH SINGH, Director (Inv.-V)

**Note :** The principal Rules were published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii), *vide* No. S.O. 969, dated the 26th March, 1962 and was last amended by the Income-Tax (13th Amendment) Rules, 2012 *vide* Notification No. S.O. 2261(E) dated 20-9-2012.